हल्दिया परियोजना की असफलता

3042. **श्री ईश दत्त यादव** : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि हल्दिया परियोजना की असफलता के संबंध में कोई जांच नहीं की गई है,

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं,

(ग) क्या यह भी सच है कि इस परियोजना के कार्यान्वयन और निगरानी हेतु अभी तक किसी भी अधिकारी को जिम्मेदार नहीं ठहराया गया है,

(घ) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं, और

(ङ) यदि नहीं, तो इस संबंध में किन-किन अधिकारियों को उत्तरदायी ठहराया गया है?

रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री और संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्यमंत्री का तथा इलेक्ट्रानिकी विभाग और महासागर विकास विभाग में राज्यमंत्री का अतिरिक्त प्रभार : (श्री एडुआर्डो फेलेरियो): (क) से (ङ) हल्दिया परियोजना की असफलता के मुख्य कारण थे प्रथम बार उपस्करों का विस्तृत स्वदेशीकरण, उपस्करों की प्राप्ति के लिए अत्यधिक विदेशी ऋण का उपयोग, परिणामस्वरूप उनका बेमेल होना, निर्माण/आरम्भण के दौरान गंभीर औद्योगिक सम्बन्ध समस्याएं, आरम्भण के दौरान उपस्करों में भारी खराबियां।

चूंकि हल्दिया परियोजना की असफलता के कारण स्पष्ट रूप से पता है और अधिकतर कारण किसी व्यक्ति के नियंत्रण से परे हैं अतः किसी अधिकारी को व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी ठहराने के लिये कोई औपचारिक जांच नहीं की गई।

उर्वरकों की आवश्यकता आयात

3043. **श्री राम नरेश यादव** : क्या प्रधान मंत्री 2 दिसम्बर, 1993 को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न 3 के दिये गये उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में 1993-94 और 1994-95 वर्षों के लिए उर्वरकों की अनुमानित कुल कितनी आवश्यकता होगी

(ख) क्या सरकार ने चालू वर्ष के दौरान कुछ उर्वरकों का आयात किया है, और

(ग) यदि हां, तो इन उर्वरकों के आयात पर कुल कितनी विदेशी मुद्रा खर्च हुई है?

रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री और संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री का तथा इलेक्ट्रानिकी विभाग और महासागर विकास विभाग में राज्य मंत्री का अतिरिक्त प्रभार (श्री एडुआर्डो फेलेरियो):— (क) देश में 1993-94 और 1994-95 वर्षों के लिए (न्यूट्रीएंट्स के रूप में) उर्वरकों की अनुमानित आवश्यकता निम्न प्रकार है:—

(लाख टन में)

वर्ष	नाइट्रोजन	फास्फेट	पोटाश	योग
1993-94	96.50	32.00	10.00	138.50
1994-95	106.15	33.60	10.50	150.25

(ख) जी हां।

(ग) वर्ष 1993-94 के दौरान सरकार के खाते में से उर्वरकों के आयात पर अक्तूबर 1993 तक 216 मिलियन अमेरिकी डालर की राशि विदेशी मुद्रा के रूप में व्यय की गई।

बंद पड़े-चालू उर्वरक संयंत्र

3044. **श्री राम नरेश यादव** : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में इस समय कुल कितने उर्वरक संयंत्र चालू हैं और कितने बंद पड़े हुए हैं और इसके क्या कारण हैं और उसका ब्यौरा क्या है,

(ख) क्या सरकार बंद पड़े उर्वरक-संयंत्रों को पुनः चालू करने का विचार रखती है, और

(ग) यदि हां, तो कब तक?

रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री और संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्यमंत्री का तथा इलेक्ट्रानिकी विभाग और महासागर विकास विभाग में राज्य मंत्री का अतिरिक्त प्रभार (श्री एडुआर्डो फेलेरियो): (क) इस समय 47 प्रमुख उर्वरक एकक हैं जो वृहद मात्रा में नाइट्रोजनों और फास्फेटिक/कम्प्लेक्स उर्वरकों का निर्माण कर रहे